4 राजपूतों की उत्पत्ति

1. राजपूतों के अग्निकुण्ड से उत्पत्ति का मत सर्वप्रथम किसने प्रतिपादित किया?
(1) मूहणौत नैणसी (2) सूर्यमल्ल मिश्रण
(3) अग्निपुराण (4) चन्दरबरदाई (4)

व्याख्या– चन्दरबरदाई ने अपने ग्रन्थ 'पृथ्वीराज रासो' में राजपूतों की उत्पत्ति अग्निकुण्ड से बताई है।

2. किस विद्वान ने राजपूतों को शक व सीथियन प्रमाणित करने के लिए तर्क दिया है कि राजपूतों के रीति–रिवाज शक, सीथियन और हुणों से मिलते हैं?
(1) सी.वी. वैद्य (2) डॉ. भंडारकर
(3) कर्नल टॉड (4) डॉ. गौरीशंकर ओझा (3)

व्याख्या– राजपूतों की विदेशी उत्पत्ति का मत सर्वप्रथम कर्नल टॉड ने प्रतिपादित किया है। कर्नल टॉड ने लिखा है कि 'राजपूत शक अथवा सीथियन जाति के वंशज है। टॉड ने राजपूतों को शक व सीथियन प्रमाणित करने के लिए तर्क दिया है कि राजपूतों के रीति–रिवाज शक, सीथियन और हूणों से मिलते है।

3. भारतीय इतिहास में निम्न में से किस अवधि को 'राजपूत काल' कहा जाता है?
(1) चौथी शताब्दी से छठी शताब्दी
(2) सातवीं से बारहवीं शताब्दी
(3) नौवीं से तेरहवीं शताब्दी
(4) तीसरी से बारहवीं शताब्दी (2)

4. राजपूतों को अग्निकुल क्षत्रिय किसमें कहा गया है?
(1) राज तरंगिणी (2) दशकुमार चरित
(3) विक्रमांकदेव चरित (4) पृथ्वीराज रासो (4)

5. निम्न में से सुमेलित नहीं है–
(1) मेवाड़ – गुहिल (2) चौहान – सांभर
(3) राठौड़ – भरतपुर (4) भाटी – जैसलमेर (3)

व्याख्या– राठौड़ राजवंश जोधपुर, बीकानेर व किशनगढ़ तथा जाट राजवंश भरतपुर व धौलपुर में थे।

6. निम्न में से किस विद्वान ने अग्निकुण्ड से उत्पत्ति के सिद्धान्त का खण्डन किया है?
(1) डॉ.दशरथ शर्मा (2) डॉ. ईश्वरीप्रसाद
(3) डॉ. गौरीशंकर ओझा (4) उक्त सभी (4)

व्याख्या– डॉ. गौरीशंकर ओझा लिखते है कि 'पृथ्वीराज रासो' का सहारा लेकर जो विद्वान इन चार राजपूत वंशों को अग्निवंशीय मानते है तो यह उनकी हठधर्मिता है। डॉ. दशरथ शर्मा व डॉ. ईश्वरी प्रसाद ने अग्निकुंड से उत्पत्ति के सिद्धांत को कल्पना मानते हुए खंड़न किया है।

7. मनुस्मृति के अनुसार राजपूतों की उत्पति बताई गई है?
(1) क्षत्रियों से (2) विदेशियों से
(3) ब्रह्म/वैदिक आर्यों से (4) हूणों से (3)

8. अग्नि पुराण के अनुसार राजपूतों की उत्पत्ति संबंधित है–
(1) ब्राह्मणों से (2) सूर्यवंशी/ चन्द्रवंशी
(3) विदेशियों की संतान (4) मिश्रित (2)

व्याख्या– अग्नि पुराण के अनुसार कृष्ण व अर्जुन (चन्द्रवंशी) तथा राम व लव–कुश (सूर्यवंशी) के वंशज की राजपूत है।

9. किस ताम्रपत्र से ज्ञात होता है कि राजपूत 'यू–ची' जाति के वंशज है?
(1) पिंगल सूत्रकृति (2) आसोट्या का ताम्रपत्र
(3) ब्रोच गुर्जर (4) बेंगु का ताम्रपत्र (3)

10. मुण्डावर (खैरथल–तिजारा), बहरोड़ तथा बानसूर (कोटपूतली–बहरोड़) को प्राचीन काल में किस नाम से जाना जाता था?
(1) राठ/अहीरवाट (2) रूमा
(3) थली (4) बरड़ (1)

11. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य नहीं है?
(1) बूँदी की स्थापना देवी हाड़ा द्वारा 1241 ई. में की गई।
(2) प्रतापगढ़ की स्थापना प्रताप सिंह द्वारा 1699 ई. में की गई।
(3) करौली की स्थापना विजयराज द्वारा 1060 ई. में की गई।
(4) बागड़ की स्थापना समर सिंह द्वारा 1178 ई. में की गई। (3)

व्याख्या– करौली की स्थापना विजयराज द्वारा 1040 ई. में की गई थी।

12. किस शिलालेख के आधार पर कहा जा सकता है कि राजपूतों की उत्पत्ति ब्राह्मणों से हुई है?
(1) बिजौलिया शिलालेख (2) आबू पर्वत का शिलालेख
(3) हर्षनाथ शिलालेख (4) ओसियां का शिलालेख (1)

13. किस शिलालेख के अनुसार प्रतिहार राजपूत ब्राह्मण हरिशचन्द्र तथा उनकी पत्नी भद्रा की संतान थी?
(1) मण्डोर शिलालेख (2) हर्षनाथ शिलालेख
(3) बिजौलिया शिलालेख (4) ब्रोंच गुर्जर शिलालेख (1)

14. जनश्रूति के अनुसार आबू पर्वत पर यज्ञ कुण्ड से किस वंश की उत्पत्ति मानी जाती है?
(1) चालुक्य, प्रतिहार, चौहान एवं परमार
(2) चालुक्य, सिसोदिया, हाड़ा, परमार
(3) प्रतिहार, चालुक्य, राठौड़, भाटी
(4) यादव, कच्छवाहा, जाट, गुहिल (1)

15. निम्नलिखित में से कौनसा एक सुमेलित नहीं है?
(1) डॉ. भंडारकर – ब्राह्मणों से उत्पत्ति
(2) कर्नल टॉड – विदेशियों की संतान
(3) डॉ. दशरथ शर्मा – सूर्यवंशी व चन्द्रवंशी
(4) गौरीशंकर हीराचन्द ओझा – हुणों की संतान (4)

व्याख्या– गौरीशंकर हीराचन्द ओझा राजपूतों को भारतीय आर्यो के क्षत्रिय वर्ण की संतान मानते है।

Dhindhwal Publication

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें –

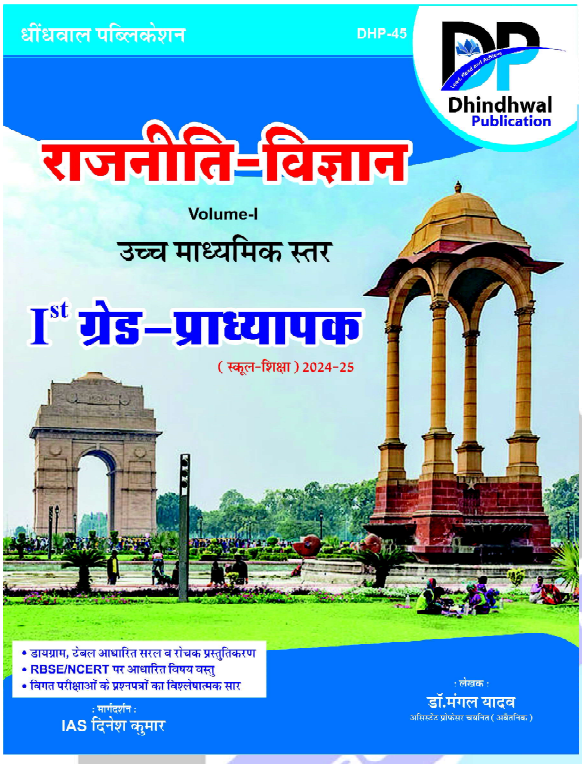

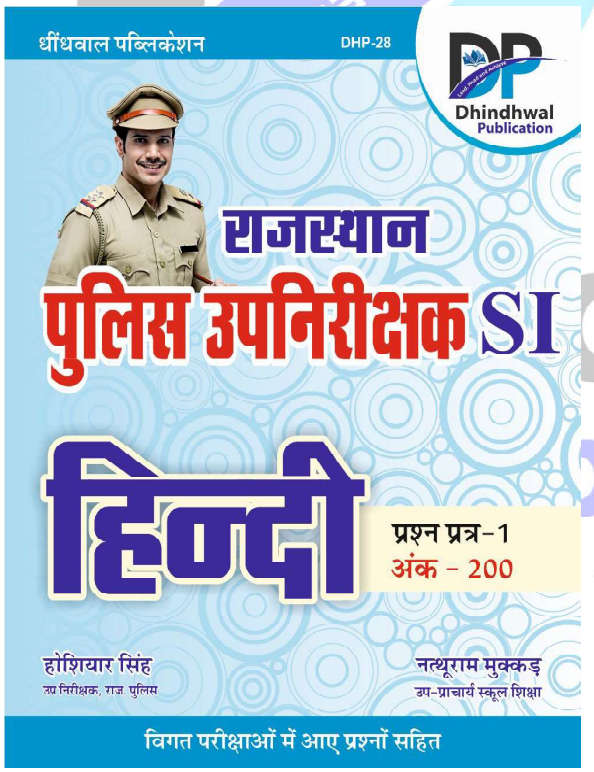

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

- Dhindhwal Publication
- धींधवाल पब्लिकेशन
- Dhindhwal Classes
- @Publication-DP
- Dhindhwal Publication

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध है। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।